हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय
शिक्षा संकाय
शिक्षण योजना

प्रोग्राम: बी.एड़. **सत्र: 2018-20** **बर्ष: I** **सेमेस्टर -II**

पाठ्यक्रम क्रमांक - SOE020209C3104 **पाठ्यक्रम शीर्षक : हिन्दी शिक्षण** **क्रेडिट: 04** **अधिकतम अंक: 100**

शिक्षक का नाम : डॉ. सरन प्रसाद और अर्चना यादव

1. शिक्षण और परीक्षा योजना :

शिक्षण योजना (शिक्षण घण्टों का इकाई वार विभाजन)				परीक्षा योजना		
				सतत् आंतरिक मूल्यांकन	अवधि के अन्त में परीक्षा	कुल अंक
इकाई संख्या	व्याख्यान	टयूटोरियल/शिक्षक निर्देशित छात्र गतिविधि	(व्याख्यान + टयूटोरियल/शिक्षक निर्देशित छात्र गतिविधि + प्रौक्टिकम/प्रौक्टिकम)	30 अंक	70 अंक	100 अंक
I	12	4	20			
II	13	5	18			
III	15	4	16			
IV	13	4	16			
कुल	53	17	70			

2. इकाई वार शिक्षण योजना :

इकाई /प्रकरण	लगभग निर्धारित घंटे (व्याख्यान/ टयूटोरियल/ शिक्षक निर्देशित छात्र गतिविधि/ प्रौक्टिकम/ प्रौक्टिकम)	बिषय वस्तु की रूपरेखा/शिक्षण बिन्दु	शिक्षण रणनीतियॉ	सीखने के परिणाम	मूल्यांकन रणनीतियॉ	सुझाव द्वारा सीखने के संसाधन
इकाई–1 **हिन्दी भाषा अधिगम की प्रक्रिया:** **(i)** हिन्दी भाषा की भूमिका, प्रकृति एवं महत्व। **(ii)** हिन्दी भाषा अधिगम के सामान्य सिद्धान्त। **(iii)** हिन्दी शिक्षण के उद्देश्यः– ज्ञानात्मक उद्देश्य, कौशलात्मक उद्देश्य, सौन्दर्य बोधात्मक उद्देश्य, रचनात्मक उद्देश्य।	12घंटे	1.1 हिन्दी भाषा की भूमिका। 1.2 हिन्दी भाषा की प्रकृति। 1.3 हिन्दी भाषा का महत्व। 2.1 हिन्दी भाषा अधिगम के सामान्य सिद्धान्त। 3.1 हिन्दी शिक्षण के उद्देश्य। 3.2 हिन्दी शिक्षण के ज्ञानात्मक उद्देश्य। 3.3 हिन्दी शिक्षण के बोधात्मक उद्देश्य। 3.4 हिन्दी शिक्षण के कौशलात्मक उद्देश्य।	व्याख्यान एवं विचारविमर्श	**इस इकाई के पूरा होने पर छात्र कर सकेंगें:** **(i)** हिन्दी भाषा की भूमिका की व्याखया कर सकेंगें। **(ii)** हिन्दी भाषा की प्रकृति एवं महत्व को याद कर सकेंगें । **(iii)** हिन्दी भाषा अधिगम के सामान्य सिद्धान्त को समझना और चिन्हांकित करना। (iv) हिन्दी शिक्षण के उद्देश्य को समझा सकेंगें । (v) हिन्दी शिक्षण के ज्ञानात्मक उद्देश्य,बोधात्मक उद्देश्य, कौशलात्मक उद्देश्य एवं उद्देश्य	छात्रों का असाइनमेंट तैयार होगा और इकाई की जटिलता के बाद हिन्दी भाषा अधिगम की प्रक्रिया के विकास पर अपने दृष्टिकोण/ विचार प्रस्तुत करेंगें। और इकाई परीक्षा	1. *बच्चे की भाषा और अध्यापक एवं निर्देशिका*, कृष्ण कुमार, एनबीटी, नई दिल्ली। 2. श्रीवास्तव, आर.एन. 1984 (संपादक), *भाषाशास्त्र के सूत्रधार*, नई दिल्लीः नेशनल पब्लिशिंग हाउस। 3. शिक्षा मंत्रालय, शिक्षा आयोग ''कोठारी कमीशन'' 1964–1966, *शिक्षा एवं राष्ट्रीय विकास*, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार 1966। **वैब स्त्रोत:** 1.https://www.youtube.com/watch?v=7g7XjpkxXic

(iv) मातृभाषा शिक्षण का अर्थ, स्वरूप, महत्व, सामान्य सिद्धान्त, लक्ष्य एंव उद्देश्य।		3.5हिन्दी शिक्षण के रचनात्मक उद्देश्य।		पर प्रकाश डाल सकेंगें ।		2.https://www.youtube.com/watch?v=zu1AGMwsvcA
इकाई–2 **हिन्दी भाषा शिक्षण की विभिन्न विधाएँ :** **(i)** हिन्दी शिक्षण में सूचना तकनीकी की उपयोगिता एंव गुण । **(ii)** हिन्दी भाषा शिक्षण में क्रियात्मक अनुसंधान–अर्थ, महत्व एवं प्रक्रिया, हिन्दी में क्रियात्मक शोध योजना का प्रारूप। **(iii)** पद्य, गद्य एवं व्याकरण शिक्षण का अर्थ उद्देश्य, महत्व, विधियाँ एवं सोपान। **(iv)** वाचन प्रक्रिया एवं प्रकार।	**16घंटे**	1.1 हिन्दी शिक्षण में सूचना तकनीकी की उपयोगिता । 1.2 हिन्दी शिक्षण में सूचना तकनीकी के गुण। 2.1 हिन्दी भाषा शिक्षण में क्रियात्मक अनुसंधान अर्थ। 2.1 हिन्दी भाषा शिक्षण में क्रियात्मक अनुसंधान महत्व । 2.2 हिन्दी भाषा शिक्षण में क्रियात्मक अनुसंधान प्रक्रिया । 2.3 हिन्दी में क्रियात्मक शोध योजना का प्रारूप। 3.1 पद्य शिक्षण का अर्थ । 3.2 पद्य शिक्षण का उद्देश्य । 3.3 पद्य शिक्षण का महत्व । 3.4 पद्य शिक्षण का विधिया। 3.5 पद्य शिक्षण का सोपान। 3.6 गद्य शिक्षण का अर्थ। 3.7 गद्य शिक्षण का उद्देश्य । 3.8 गद्य शिक्षण का महत्व । 3.9 गद्य शिक्षण का विधिया। 3.10 गद्य शिक्षण का सोपान। 3.11 व्याकरण शिक्षण का अर्थ। 3.12 व्याकरण शिक्षण का उद्देश्य 3.13 व्याकरण शिक्षण का महत्व। 3.14 व्याकरण शिक्षण का विधिया। 3.15 व्याकरण शिक्षण का सोपान। 4.1 वाचन प्रक्रिया अर्थ । 4.2 वाचन प्रक्रिया प्रकार।	व्याख्यान एवं विचारविमर्श	**इस इकाई के पूरा होने पर छात्र कर सकेंगें:** **(i)** हिन्दी शिक्षण में सूचना तकनीकी की उपयोगिता एंव गुण की व्याखया कर सकेंगें । **(ii)** हिन्दी भाषा शिक्षण में क्रियात्मक अनुसंधान–अर्थ, महत्व एवं प्रक्रिया को याद कर सकेंगें । **(iii)** हिन्दी में क्रियात्मक शोध योजना प्रारूप के सामान्य सिद्धान्त को समझना और चिन्हांकित करना। (iv) पद्य, गद्य एवं व्याकरण शिक्षण का अर्थ उद्देश्य, महत्व, विधियाँ एवं सोपान को समझा सकेंगें । (v) वाचन प्रक्रिया एवं प्रकार पर प्रकाश डाल सकेंगें ।	छात्रों का असाइनमेंट तैयार होगा और इकाई की जटिलता के बाद हिन्दी भाषा शिक्षण की विभिन्न विधाएँ के विकास पर अपने दृष्टिकोण/ विचार प्रस्तुत करेंगें। और इकाई परीक्षा	1. अग्निहोत्री, आर.के. 1988, *'एरर्स एज लर्निंग स्ट्रेटजीज,* इंडियन जर्नल ऑफ अप्लॉयड लिंग्विस्टिक्स 14.1:1–14 2. ईलिच, आई. 1981, प्रीफेस टू पटनायक, 1981, *मल्टीलिंगुएलिज्म एंड मदर टंग एजूकेशन,* ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस। 3. राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा 2005, प्रकाशन विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली। **वैब स्त्रोत:** 1.https://onlinetyari.com/blog-hindi/understanding-micro-teaching-concepts-in- 2.https://www.jansatta.com/sunday-column/problems-of-hindi-lesson/130854/

इकाई–3 **हिन्दी भाषा शिक्षण के भाषाई कौशलों का विकास:** **(i)** श्रवण कौशलः– अर्थ, प्रकार, शैक्षिक क्रिया क्लाप। **(ii)** मौखिक अभिव्यक्ति कौशल के उद्देश्य, मौखिक अभिव्यक्ति विकास की क्रियाएं, मौखिक अभिव्यक्ति सम्बन्धी त्रुटियों का निवारण। **(iii)** पठन कौशल की प्रक्रिया, प्रकार, पठन अभिरूचि का विकास, पठन सम्बन्धी त्रुटियों का निवारण। **(iv)** लिखित अभिव्यक्ति कौशल का विकास, लेखन का महत्व, प्रक्रिया, लिखित रचना के प्रकार एवं उनका शिक्षण ।	**16घंटे**	1.1 श्रवण कौशल का अर्थ एवं प्रकार। 1.2 श्रवण कौशल के शैक्षिक क्रिया–कलाप। 2.1 मौखिक अभिव्यक्ति कौशल के उद्देश्य। 2.2 मौखिक अभिव्यक्ति विकास की क्रियाएँ। 2.3 मौखिक अभिव्यक्ति सम्बन्धी त्रुटियों का निवारण। 3.1 पठन कौशल की प्रक्रिया। 3.2 पठन कौशल के प्रकार। 3.3 पठन अभिरूचि का विकास। 3.4 पठन सम्बन्धी त्रुटियों का निवारण। 4.1 लिखित अभिव्यक्ति कौशल का विकास। 4.2 लिखित अभिव्यक्ति कौशल का महत्व। 4.3 लिखित अभिव्यक्ति कौशल की प्रक्रिया। 4.4 लिखित रचना के प्रकार। 4.5 लिखित रचना का शिक्षण ।	व्याख्यान विधि समूह चर्चा, प्रदर्शन विधि का प्रयोग एवं पावर प्वाईंट प्रस्तुति, ई–लर्निंग आदि का उपयोग।	**इस इकाई के पूरा होने पर छात्र कर सकेंगें:** **(i)** भाषा के विभिन्न कौशलों का विकास होगा। **(ii)** भाषा के विभिन्न कौशलों की अलग–अलग भूमिकाओं की जानकारी होगी। **(iii)** भाषा के विभिन्न कौशलों के बीच संबंधों की जानकारी होगी। **(iv)** भाषा के विभिन्न कौशलों का अभ्यास बच्चें अपनी समझ के अनुसार करेगें। **(v)** हिन्दी भाषा के विभिन्न कौशलों के मुख्य बिन्दुओं की उचित अभिव्यक्तियों को जानना सकेगें। हिन्दी भाषा के विभिन्न कौशलों की उचित प्रक्रिया को जान सकेंगें।	छात्रों का असाइनमेंट तैयार होगा और इकाई की जटिलता के बाद हिन्दी भाषा शिक्षण के भाषाई कौशलों का विकास पर अपने दृष्टिकोण/ विचार प्रस्तुत करेंगें। और इकाई परीक्षा	1. गुप्ता ए. 1995, *मीडियम ऑफ इंस्ट्रक्शन इन ए बाइलिंगुएल कंटेस्ट,* अग्निहोत्री, आर.के. खन्ना, ए.एल. द्वारा संपादित आर.ए.एल. 4 नई दिल्लीः सेज पब्लिकेशंस, 201–211 2. ईलिच, आई. 1981,''*टौट मदर लैंग्वेज एंड वर्नाकुलर टंग*'', पटनायक डी.पी. 1981 में मल्टीलिंगुएलिज्म एंड मदर लैंग्वेज एंड वर्नाकुलर टंग'', पटनायक डी.पी 1981 में मल्टीलिंगुएलिज्म एंड मदर टंग एजूकेशन, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस। 3. सृजन–1, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली। **वैब स्त्रोतः** http://www.shriramedu.com/studymaterial/topic-teaching-methods-%E0%A4 https://www.shabdkosh.com/translate/%E0%A4%B6%E0%A4%BF%E0%
इकाई–4 **हिन्दी भाषा शिक्षण के लिए अनुदेशन योजना** **(i)** बलूम द्वारा निर्धारित अनुदेशनात्मक उद्देश्य। **(ii)** हिन्दी शिक्षण कौशलों का विकास, प्रस्तावना कौशल, श्यामपट्ट कौशल, उदाहरण कौशल, व्याख्या कौशल और उद्दीपन परिवर्तन कौशल। **(iii)** हिन्दी पाठ योजना (गद्य, पद्य एवं व्याकरण) का अर्थ, महत्व, एवं रूपरेखा। **(iv)**हिन्दी में मूल्याकंन–अर्थ, स्वरूप, विभिन्न विधाओं का	**16घंटे**	1.1 ब्लूम द्वारा निर्धारित अनुदेशनात्मक उद्देश्य। 2.1 हिन्दी शिक्षण कौशलों का विकास : 2.1.1 प्रस्तावना कौशल 2.1.2 श्यामपट्ट कौशल 2.1.3 उदाहरण कौशल 2.1.4 व्याख्या कौशल 2.1.5 उद्दीपन परिवर्तन कौशल। 3.1 हिन्दी गद्य पाठ योजना का अर्थ एवं महत्व। 3.2 हिन्दी गद्य पाठ योजना की रूपरेखा।	व्याख्यान विधि– समूह चर्चा, प्रदर्शन विधि का प्रयोग एवं पावर प्वाईंट प्रस्तुति, ई–लर्निंग, एमओओसी का उपयोग।	**(i)** ब्लूम द्वारा निर्धारित विभिन्न अनुदेशनात्मक उद्देश्यों की व्याख्या कर सकेंगें। **(ii)** भाषा के विभिन्न कौषलों का विकास करेंगें। **(iii)** हिन्दी शिक्षण कौशलों के विकास के साथ–साथ, बच्चों की भाषा और समझ के बीच संबंधों की जानकारी होगी। **(iv)** पाठ्यचर्चा, पाठ्यक्रम का विश्लेषण कर कक्षा विशेष और बच्चों की समझ के अनुसार ढालना। **(v)** हिन्दी पाठ योजना के विविध रूपों की अभिव्यक्तियों एवं रूपरेखाओं को जान सकेंगें। **(vi)** भाषा के मूल्याकंन की प्रक्रिया को जानेंगें।	छात्रों का असाइनमेंट तैयार होगा और इकाई की जटिलता के बाद हिन्दी भाषा शिक्षण के लिए अनुदेशन योजना के विकास पर अपने दृष्टिकोण/ विचार प्रस्तुत करेंगें। और इकाई परीक्षा वैब स्त्रोत	1. *समझ का माध्यम,* राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् नई दिल्ली। 2. *आंकलन स्त्रोत पुस्तिका,* राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली। 3. *अभिव्यक्ति और माध्यम,* राष्ट्रीय अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली। **वैब स्त्रोतः** https://www.eklavya.in/magazine-activity/sandarbh-magazines/276-sanda http://www.icbse.com/schools/anglo-hindi-high-school-yavatmal/2714151

मूल्याकंन एवं संशोधन।		3.3 हिन्दी पद्य पाठ योजना का अर्थ एवं महत्व। 3.4 हिन्दी पद्य पाठ योजना की रूपरेखा। 3.5 हिन्दी व्याकरण पाठ योजना का अर्थ एवं महत्व। 3.6 हिन्दी व्याकरण पाठ योजना की रूपरेखा। 4.1 हिन्दी में मूल्याकंन का अर्थ एवं स्वरूप। 4.2 हिन्दी में मूल्याकंन की विभिन्न विधाओं का मूल्याकंन। 4.3 हिन्दी में मूल्यांकन की संशोधन प्रकिया।				

आंतरिक मूल्यांकन रणनीतियॉं:

आंतरिक मूल्यांकन रणनीतियॉं के तहत तीस अंक आवंटित किए गए है। आंतरिक मूल्यांकन के तहत निम्नलिखित गतिविधियॉं का निष्पादन किया जायेगा:

क्र. सं.	गतिविधियॉं	प्रणाली	अंकों का भार
1	दो सत्रीय परीक्षा आयोजित की जायेगी (उनमें से सर्वश्रेष्ठ एक को माना जाएगा)	लिखित परीक्षा	10
2	विभिन्न विषयों पर असाइनमेंट तैयार करना और उसके बाद कक्षा में प्रस्तुति देना (समूह गतिविधि) और प्रौक्टिकल के तहत कोई अन्य गतिविधि भी आयोजित होगी।	असाइनमेंट और प्रस्तुति(पीपीटी)	15
3	उपस्थिति का प्रतिशत		05
	कुल अंक		**30**